Job

Chapter 3

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

פ	יוֹמֽוֹ׃	אֶת־	וַיְקַלֵּל	פִּיהוּ	אֶת־	אִיּוֹב	פָּתַח	כֵן	אַחֲרֵי־	1
प	अपने-दिन	को-	और-शापा	अपना-मुँह	को-	अय्यूब-ने	खोला	इसके	बाद-में-	
	H3117	H0853	H7043	H6310	H0853	H0347				

तब अय्यूब ने अपना मुँह खोला और उस दिन को कोसने लगा जब वह पैदा हुआ था।

וַיֹּאמַֽר׃	אִיּוֹב	וַיַּעַן	2
और-कहा	अय्यूब-ने	और-उत्तर-दिया	
H0559	H0347		

उसने कहा:

גָּֽבֶר׃	הֹרָה	אָמַר	וְהַלַּיְלָה	בּוֹ	אִוָּלֶד	יוֹם	יֹאבַד	3
पुरुष	गर्भ-में-आया	कहा	और-रात	जिसमें	जन्मा-था-मैं	दिन	नाश-हो	
H1397	H2029	H0559	H3915		H3205	H3117	H0006	

“काश! जिस दिन मैं पैदा हुआ था, मिट जाये। काश! वह रात कभी न आई होती जब उन्होंने कहा था कि एक लड़का पैदा हुआ है!

נְהָרָֽה׃	עָלָיו	תּוֹפַע	וְאַל־	מִמָּעַל	אֱלוֹהַּ	יִדְרְשֵׁהוּ	אַל־	חֹשֶׁךְ	יְהִי	הַהוּא	הַיּוֹם	4
प्रकाश	उस-पर	चमके	और-मत-	ऊपर-से	एलोहा	खोजे-उसको	मत-	अंधकार	हो	वह	दिन	
H5105		H3313	H0408	H4605	H0433	H1875	H0408	H2822	H1961	H1931	H3117	

काश! वह दिन अंधकारमय होता, काश! परमेश्वर उस दिन को भूल जाता, काश! उस दिन प्रकाश न चमका होता।

יֽוֹם׃	כִּמְרִירֵי	יְבַעֲתֻהוּ	עֲנָנָה	עָלָיו	תִּשְׁכָּן־	וְצַלְמָוֶת	חֹשֶׁךְ	יִגְאָלֻהוּ	5
दिन-के	कड़वाहटों-की-तरह	डराएँ-उसको	बादल	उस-पर	बसे-	और-मृत्यु-छाया	अंधकार	छुड़ाएं-उसको	
H3117	H3650	H1204	H6053		H7931	H6757	H2822		

काश! वह दिन अंधकारपूर्ण बना रहता जितना कि मृत्यु है। काश! बादल उस दिन को घेरे रहते। काश! जिस दिन मैं पैदा हुआ काले बादल प्रकाश को डरा कर भगा सकते।

אַל־	יְרָחִים	בְּמִסְפַּר	שָׁנָה	בִּימֵי	יִחַדְּ	אַל־	אֹפֶל	יִקָּחֵהוּ	הַהוּא	הַלַּיְלָה	6
मत-	महीनों	गिनती-में	साल-के	दिनों-में	आनन्दित-हो	मत-	घोर-अंधकार	ले-ले-उसको	वह	रात	
H0408	H3391	H4557	H8141	H3117	H2302	H0408	H0652	H3947	H1931	H3915	

יָבֹֽא׃
आए
H0935

उस रात को गहरा अंधकार जकड़ ले, उस रात की गिनती न हो। उस रात को किसी महीने में सम्मिलित न करो।

בֽוֹ׃	רְנָנָה	תָבֹא	אַל־	גַלְמוּד	יְהִי	הַהוּא	הַלַּיְלָה	הִנֵּה	7
उसमें	आनन्द-की-ध्वनि	आए	मत-	बांझ	हो	वह	रात	देख	
	H7445	H0935	H0408	H1565	H1961	H1931	H3915	H2009	

वह रात कुछ भी उत्पन्न न करे। कोई भी आनन्द ध्वनि उस रात को सुनाई न दे।

לִוְיָתָֽן׃	עֹרֵר	הָעֲתִידִים	יוֹם	אֹרְרֵי־	יִקְּבֻהוּ	8
लिव्यातान	जगाने-को	तैयार	दिन-को	शापनेवाले-	शापें-उसको	
H3882	H5782	H6264	H3117	H0779		

जादूगरों को शाप देने दो, उस दिन को वे शापित करें जिस दिन मैं पैदा हुआ। वे व्यक्ति हमेशा लिब्यातान (सागर का दैत्य) को जगाना चाहते हैं।

9

יֶחְשְׁכוּ	כּוֹכְבֵי	נִשְׁפּוֹ	יְקַו־	לְאוֹר	וָאַיִן	וְאַל־	יִרְאֶה	בְּעַפְעַפֵּי־	שָׁחַר׃
अंधेरे-हों	तारे	उसके-गोधूलि-के	इंतज़ार-करे-	प्रकाश-के-लिए	और-नहीं-हो	और-मत-	देखे	पलकों-	पौ
H2821	H3556	H5399		H0216	H0369	H0408	H7200	H6079	H7837

उस दिन को भोर का तारा काला पड़ जाये। वह रात सुबह के प्रकाश के लिये तरसे और वह प्रकाश कभी न आये। वह सूर्य की पहली किरण न देख सके।

10

כִּי	לֹא	סָגַר	דַּלְתֵי	בִטְנִי	וַיַּסְתֵּר	עָמָל	מֵעֵינָי׃
क्योंकि	नहीं	बंद-किए	दरवाज़े	मेरी-कोख-के	और-छिपाया	कष्ट	मेरी-आँखों-से
	H3808	H5462		H0990	H5641	H5999	

क्यों क्योंकि उस रात ने मुझे पैदा होने से न रोका। उस रात ने मुझे ये कष्ट झेलने से न रोका।

11

לָמָּה	לֹא	מֵרֶחֶם	אָמוּת	מִבֶּטֶן	יָצָאתִי	וְאֶגְוָע׃
क्यों	नहीं	गर्भ-से	मर-गया-मैं	पेट-से	निकला-मैं	और-प्राण-त्यागा
H4100	H3808	H7358	H4191	H0990	H3318	H1478

मैं क्यों न मर गया जब मैं पैदा हुआ था जन्म के समय ही मैं क्यों न मर गया

12

מַדּוּעַ	קִדְּמוּנִי	בִרְכָּיִם	וּמַה־	שָּׁדַיִם	כִּי	אִינָק׃
क्यों	आगे-आए-मुझे	घुटने	और-क्यों-	स्तन	कि	दूध-पीऊँ
H4069	H6923	H1290	H4100			H3243

क्यों मेरी माँ ने गोद में रखा क्यों मेरी माँ की छातियों ने मुझे दूध पिलाया।

13

כִּי־	עַתָּה	שָׁכַבְתִּי	וְאֶשְׁקוֹט	יָשַׁנְתִּי	אָז	יָנוּחַ	לִי׃
क्योंकि-	अब	लेटा-होता-मैं	और-चैन-था	सोता-था-मैं	तब	आराम-होता	मुझे
	H6258	H7901	H8252	H3462		H5117	

अगर मैं तभी मर गया होता जब मैं पैदा हुआ था तो अब मैं शान्ति से होता। काश! मैं सोता रहता और विश्राम पाता।

14

עִם־	מְלָכִים	וְיֹעֲצֵי	אָרֶץ	הַבֹּנִים	חֳרָבוֹת	לָמוֹ׃
साथ-	राजाओं	और-मंत्रियों	पृथ्वी-के	बनानेवाले	खंडहर	अपने-लिए
	H4428	H3289	H0776	H1129	H2723	

राजाओं और बुद्धिमान व्यक्तियों के साथ जो पृथ्वी पर पहले थे। उन लोगों ने अपने लिये स्थान बनायें, जो अब नष्ट हो कर मिट चुके है।

15

אוֹ	עִם־	שָׂרִים	זָהָב	לָהֶם	הַמְמַלְאִים	בָּתֵּיהֶם	כָּסֶף׃
या	साथ-	हाकिमों	सोना	उनके	भरनेवाले	अपने-घरों	चाँदी
		H8269	H2091	H1992	H4390		H3701

काश! मैं उन शासकों के साथ गाड़ा जाता जिन्होंने सोने—चाँदी से अपने घर भरे थे।

16

אוֹ	כְנֵפֶל	טָמוּן	לֹא	אֶהְיֶה	כְּעֹלְלִים	לֹא־	רָאוּ	אוֹר׃
या	गिरे-बच्चे-की-तरह	गाड़ा-हुआ	नहीं	होता-मैं	बच्चों-की-तरह	नहीं-	देखा	प्रकाश
	H5309	H2934	H3808	H1961	H5768	H3808	H7200	H0216

क्यों नहीं मैं ऐसा बालक हुआ जो जन्म लेते ही मर गया हो। काश! मैं एक ऐसा शिशु होता जिसने दिन के प्रकाश को नहीं देखा।

17

שָׁם	רְשָׁעִים	חָדְלוּ	רֹגֶז	וְשָׁם	יָנוּחוּ	יְגִיעֵי	כֹחַ׃
वहाँ	दुष्ट	छोड़-देते-हैं	क्रोध	और-वहाँ	आराम-पाते-हैं	थके-हुए	शक्ति-से
H8033	H7563	H2308	H7267	H8033	H5117	H3019	

दुष्ट जन दु:ख देना तब छोड़ते हैं जब वे कब्र में होते हैं और थके जन कब्र में विश्राम पाते हैं।

18

יַחַד	אֲסִירִים	שַׁאֲנָנוּ	לֹא	שָׁמְעוּ	קוֹל	נֹגֵשׂ׃
एक-साथ	बंदी	चैन-थे	नहीं	सुनते-थे	आवाज़	अत्याचारी-की
	H0615	H7599	H3808	H8085		H5065

यहाँ तक कि बंदी भी सुख से कब्र में रहते हैं। वहाँ वे अपने पहरेदारों की आवाज नहीं सुनते हैं।

מֵאֲדֹנָיו׃	חָפְשִׁי	וְעֶבֶד	הוּא	שָׁם	וְגָדוֹל	קָטֹן	19
अपने-स्वामी-से	स्वतन्त्र	और-दास	वह	वहाँ	और-बड़ा	छोटा	
H0113	H2670	H5650	H1931	H8033			

हर तरह के लोग कब्र में रहते हैं चाहे वे महत्वपूर्ण हो या साधारण। वहाँ दास अपने स्वामी से छुटकारा पाता है।

נָפֶשׁ׃	לְמָרֵי	וְחַיִּים	אוֹר	לְעָמֵל	יִתֵּן	לָמָּה	20
जान-को	कड़वे-	और-जीवन	प्रकाश	कष्टित-को	देता-है	क्यों	
H5315	H4751		H0216		H5414	H4100	

“कोई दु:खी व्यक्ति और अधिक यातनाएँ भोगता जीवित क्यों रहें ऐसे व्यक्ति को जिस का मन कड़वाहट से भरा रहता है क्यों जीवन दिया जाता है

מִמַּטְמוֹנִים׃	וַיַּחְפְּרֻהוּ	וְאֵינֶנּוּ	לַמָּוֶת	הַמְחַכִּים	21
गुप्त-धनों-से	और-खोदते-हैं-उसको	और-नहीं-है-वह	मृत्यु-के-लिए	इंतज़ार-करनेवाले	
H4301	H2658	H0369	H4194	H2442	

ऐसा व्यक्ति मरना चाहता है लेकिन उसे मौत नहीं आती हैं। ऐसा दु:खी व्यक्ति मृत्यु पाने को उसी प्रकार तरसता है जैसे कोई छिपे खजाने के लिये।

קָבֶר׃	יִמְצְאוּ־	כִּי	יָשִׂישׂוּ	גִיל	אֱלֵי־	הַשְּׂמֵחִים	22
कब्र	पाते-हैं-	जब	मगन-होते-हैं	उल्लास	की-ओर-	आनन्दित-होनेवाले	
H6913	H4672		H7797		H0413	H8055	

ऐसे व्यक्ति कब्र पाकर प्रसन्न होते हैं और आनन्द मनाते हैं।

בַּעֲדוֹ׃	אֱלוֹהַּ	וַיָּסֶךְ	נִסְתָּרָה	דַּרְכּוֹ	אֲשֶׁר־	לְגֶבֶר	23
उसके-चारों-ओर	एलोहा-ने	और-घेरा-है	छिपी-है	राह	जिसकी-	पुरुष-को	
H1157	H0433		H5641	H1870		H1397	

परमेश्वर उनके भविष्य को रहस्यपूर्ण बनाये रखता है और उनकी सुरक्षा के लिये उनके चारों ओर दीवार खड़ी करता है।

שַׁאֲגֹתָי׃	כַמַּיִם	וַיִּתְּכוּ	תָבֹא	אַנְחָתִי	לַחְמִי	לִפְנֵי	כִּי־	24
मेरी-दहाड़ें	पानी-की-तरह	और-बहती-है	आती-है	मेरी-आह	मेरी-रोटी	पहले	क्योंकि-	
H7581	H4325	H5413	H0935	H0585	H3899	H6440		

मैं भोजन के समयप्रसन्न होने के बजाय दु:खी आहें भरता हूँ। मेरा विलाप जलधारा की भाँति बाहर फूट पड़ता है।

לִי׃	יָבֹא	יָגֹרְתִּי	וַאֲשֶׁר	וַיֶּאֱתָיֵנִי	פָּחַדְתִּי	פַחַד	כִּי	25
मुझे	आया	थरथराया-मैं	और-जिससे	और-आया-मुझ-पर	डरा-मैं	भय	क्योंकि	
	H0935	H3025		H0857	H6342	H6343		

मैं जिस डरावनी बात से डरता रहा कि कहीं वहीं मेरे साथ न घट जाये, वही मेरे साथ घट गई। और जिस बात से मैं सबसे अधिक डरा, वही मेरे साथ हो गई।

פ	רֹגֶז׃	וַיָּבֹא	נָחְתִּי	וְלֹא־	שָׁקַטְתִּי	וְלֹא	שָׁלַוְתִּי	לֹא	26
प	क्रोध	और-आया	आराम-पाया-मैं	और-नहीं-	शांत-था-मैं	और-नहीं	चैन-था-मैं	नहीं	
	H7267	H0935	H5117	H3808	H8252	H3808	H7951	H3808	

न ही मैं शान्त हो सकता हूँ, न ही मैं विश्राम कर सकता हूँ। मैं बहुत ही विपदा में हूँ।”